प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 01 अगस्त , 2025 :-

(1) माननीया राष्ट्रपति महोदया को राँची से प्रस्थान के पूर्व बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय।

---

(2) माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में आज आयोजित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ), धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति से यह दीक्षांत समारोह अत्यंत प्रेरणादायक और ऐतिहासिक बन गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदया का झारखंड से विशेष आत्मीय संबंध रहा है। अपने राज्यपाल कार्यकाल में उन्होंने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और जनकल्याण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनकी सादगी, संवेदनशीलता और जनभावनाओं के प्रति समर्पण ने झारखंडवासियों के हृदय में विशेष स्थान बनाया है।

राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर आपने जिस प्रकार विषम परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव की पहली कॉलेज जाने वाली बेटी बनीं, वह सम्पूर्ण देश के लिए प्रेरणा का विषय है।

राज्यपाल महोदय ने आईआईटी (आईएसएम), धनबाद की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान खनन, ऊर्जा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्र को दिशा देता आया है। 1926 में स्थापित यह संस्थान आज वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना चुका है।

राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी तथा उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के कल्याण में करें। अपने संबोधन में राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, 'डिजिटल इंडिया' अभियान, तकनीकी नवाचार तथा ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जैसे विषयों का उल्लेख करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी हेतु आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने झारखंड की खनिज संपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद जैसे संस्थान राज्य के सतत एवं समावेशी

विकास में अनुसंधान व नवाचार के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी उपाधिधारकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।